लोकार्पण

जिला अस्पताल विक्टोरिया में 7 .50 करोड़ की स्थापित की गई एमआरआई मशीन,विक्टोरिया अस्पताल में एमआरआई केंद्र का लोकार्पण

अब विक्टोरिया अस्पताल में 1300 रूपये में होगी एमआरआई जांच

गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए राहत

नवभारत,जबलपुर। माना जाता है अगर स्वास्थ्य बेहतर है तो भविष्य बेहतर होता है। मुझे बहुत खुशी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बनने के बाद भारत में स्वास्थ्य सुविधाओं में जिस प्रकार से विस्तार हुआ है उसकी कभी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। विक्टोरिया अस्पताल में एमआरआई मशीन का शुरू होना केवल जबलपुर ही नहीं, बल्कि आसपास के ग्रामीण एवं अंतर-जिला क्षेत्रों के मरीजों के लिए भी स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक बड़ी सौगात है। जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के उन्नयन के लिए लगभग 1200 करोड़ रूपये की योजना तैयार की गई है। इसके तहत आधुनिक भवनों और अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

ये सारी बातें लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने सोमवार को कहीं। मौका था जिला अस्पताल विक्टोरिया में 7.50 करोड़ की लागत से स्थापित एमआरआई मशीन के लोकार्पण समारोह का। जानकारी के अनुसार सोमवार को लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने एमआरआई केंद्र का लोकार्पण किया। फिर मंत्री के आग्रह पर विधायक अभिलाष पांडे ने फीता काटकर विक्टोरिया के एमआरआई केंद्र का उद्घाटन किया। अब जिला अस्पताल विक्टोरिया में

कृष्णा डायग्नोस्टिक्स के माध्यम से एमआरआई जांच की सुविधा अत्यंत रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएगी। जहां निजी संस्थानों में एमआरआई जांच के लिए 4 से 5 हजार रूपये तक खर्च करना पड़ता है वहीं जिला अस्पताल में यह सुविधा लगभग 1300 रूपये से शुरू होगी। इससे आम एवं गरीब मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। जानकारी के अनुसार प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित इस मशीन का संचालन पीपीपी मॉडल के तहत कृष्णा डायग्नोस्टिक्स के सहयोग से किया जाएगा।

पहले सरकारों का रवैया नहीं था सार्थक : राकेश सिंह

लोकार्पण समारोह में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने ये भी कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं में कभी भी सरकारों का रवैया बहुत सार्थक नहीं था। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना बनाई और आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का इलाज नि:शुल्क लोगों को दिया जाने लगा। श्री सिंह ने दो टूक कहा कि पहले अस्वस्थ गरीब के पास दो ही विकल्प रहते थे एक तो वो कि वह भगवान की शरण में जाए और दूसरा वो जो घट रहा है उसे घटने दे लेकिन अब समय बदल गया है। अब मोदी सरकार और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाओं की तस्वीर बदली है और गरीब अब आयुष्मान कार्ड का फायदा भी ले रहे हैं।

नए अस्पताल भवन का निर्माण कार्य तेजी पर : अभिलाष

इस दौरान विधायक डॉ अभिलाष पांडे ने बताया कि विक्टोरिया अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए 225 बिस्तरों वाले नए अस्पताल भवन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसके अलावा पूर्व में 70 लाख रूपये की लागत से आधुनिक नेत्र जांच मशीन भी स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि मनमोहन नगर अस्पताल को 30 बिस्तरों से उन्नत कर 100 बिस्तरों वाले सिविल अस्पताल के रूप में विकसित किया जाएगाए जिससे चार से पांच लाख लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।

प्रदेश का चौथा जिला बना जबलपुर : कलेक्टर

कार्यक्रम में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कहा कि जिला अस्पताल स्तर पर एमआरआई सुविधा शुरू होने के साथ ही जबलपुर प्रदेश का चौथा जिला बन गया है जहां यह सेवा प्रारंभ हुई है। प्रथम चरण में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर का चयन किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक डॉ अभिलाष पांडे ने की। इस अवसर पर विधायक अशोक रोहाणी, नीरज सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी, चिकित्सक नर्सिंग स्टाफ एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पर भक्ति और श्रद्धा का संगम

सदगुरू ऋतेश्वर महाराज के सानिध्य में महोत्सव आयोजित

नवभारत,जबलपुर। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आनंदम् धाम की ओर से मानस भवन में परमपूज्य सदगुरू श्री ऋतेश्वर महाराज के दिव्य सानिध्य में गुरु पूर्णिमा महा महोत्सव में शामिल हुए। कार्यक्रम श्रद्धा भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ जिसमें बड़ी संख्या में संतजन एवं श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ।

संतों एवं श्रद्धालुओं ने परमपूज्य सदगुरू ऋतेश्वर महाराज का पुष्पवर्षा एवं अभिनंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर गुरु.शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आध्यात्मिक जीवन में गुरु की भूमिका को रेखांकित किया गया।

संस्कारधानी के लिए सौभाग्य का अवसर : राकेश सिंह

कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जब भी संतों का सानिध्य मिलता है समाज में सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है। परमपूज्य सदगुरू श्री ऋतेश्वर महाराज का जबलपुर आगमन समूची संस्कारधानी के लिए सौभाग्य और पुण्य का अवसर है। समारोह में महापौर जगत बहादुर सिंह, विधायक सुशील तिवारी इंदु, डॉ. अभिलाष पांडे, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन ,प्रदेश दिव्यांग प्रकोष्ठ अध्यक्ष संदीप रजक, आयोजक समिति के सदस्य व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर में

कालीधाम गौरीघाट में कल होगा गुरू पादुका पूजन

नवभारत,जबलपुर। श्री सिद्ध शक्तिपीठ कालीधाम गौरीघाट जबलपुर में 29 जुलाई को द्वादश पीठ संस्थापक एवं संचालक श्री दंडी स्वामी कालिकानंद नंद सरस्वती स्वामी प्यारेनंद जी महाराज का गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर्व पर कालीधाम कालीमठ शिष्य परिवार द्वारा गुरुदेव महाराज का पूजन प्रात: 8:00 बजे से किया जायेगा इस अवसर पर महामण्डलेश्वर डॉ स्वामी राधेचैतन्य महाराज जी ने जानकारी देते हुए बताया कि कि देश के विभिन्न प्रांतों तथा विदेश सेभी शिष्यों का आगमन हो रहा है दंडी स्वामी नर्मदानंद जी (रंजीतानंद) महाराज का आगमन हो चुका है।

श्री गुरु चरण वंदन समारोह एवं भजन संध्या आज

नवभारत,जबलपुर। गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर समरसता सेवा संगठन जबलपुर द्वारा मंगलवार 28 जुलाई को रात्रि 8:30 बजे से सिटी बंगाली क्लब, करमचंद चौक में श्री गुरु चरण वंदन समारोह एवं भजन संध्या आयोजन किया गया है। समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष पवन पांडे ने बताया समरसता सेवा संगठन द्वारा इस वर्ष प्रत्येक माह एक कार्यक्रम आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया था इसी तारतम्य में गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर पूर्व संध्या पर संस्कारधानी वासियों को अपने-अपने गुरु जनों की पूजा-अर्चना एक ही स्थान पर करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। धर्मक्षेत्र के सभी गुरुजन समरसता सेवा संगठन के मंच पर विराजमान होंगे। विधि-विधान से गुरुशक्ति का पूजन-वंदन होगा। आयोजन में आम जन भी गुरुवंदन करेंगे, साथ ही प्रसादी का वितरण भी किया जायेगा। उन्होंने बताया गुरुपूजन के के साथ ही भजन संध्या का भी आयोजन किया गया है, जिसमे भजन गायक प्रभु भजनो की प्रस्तुति देंगे।

छात्राओं को मिली उद्यम एवं कौशल विकास की जानकारी

नवभारत, जबलपुर। माता गुजरी महिला महाविद्यालय में सोमवार को उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में विद्यार्थियों के लिए उद्यम विकास एवं कौशल विकास विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता उच्च न्यायालय की वरिष्ठ एडवोकेट चंचल शर्मा थीं। एड. शर्मा ने छात्राओं को उद्यम शुरू करने के पहले ध्यान में रखने योग्य नियमों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार अपने कौशल का विकास कर एक अच्छा उद्यमी बना जा सकता है। इस विषय पर छात्राओं ने प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. सुनील कुमार पाहवा एवं प्राचार्या डॉ. संगीता झाम्ब के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम की संयोजक उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ की इंचार्ज डॉ. रीता मुखर्जी एवं सहसंयोजक स्वाती गुप्ता रहीं। कार्यक्रम का संचालन रजविंदर कौर बंसल ने किया और आभार प्रदर्शन अर्थशास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ. रत्ना वर्मा ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कला संकाय की अध्यक्ष डॉ. दीप्ति मिश्रा का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण रहा। इसके अलावा उद्यमिता प्रकोष्ठ की सदस्य प्रभा पहारिया, अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. अन्नपूर्णा श्रीवास्तव एवं कला संकाय की डॉ. अल्पना सिंह, डॉ. पूनम शर्मा, डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव एवं मीडिया प्रभारी डॉ. राकेश तिवारी का सहयोग सराहनीय रहा। इस कार्यक्रम में बीबीए एलएलबी, बीकॉम एलएलबी, बीकॉम, विज्ञान और कला संकाय सहित लगभग सभी संकायों की करीब 50 छात्राओं की उपस्थिति रही।

काव्य-पटल के लोकार्पण के साथ संपन्न हुई वर्तिका की मासिक काव्य गोष्ठी

नवभारत,जबलपुर। साहित्यिक संस्था वर्तिका की मासिक काव्य गोष्ठी नूतन मराठी विद्यालय में वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षाविद डॉ. प्रकाश दुबे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। कार्यक्रम में कवि विजय विश्वकर्मा और वर्तिका अध्यक्ष संतोष नेमा के काव्य-पटल का लोकार्पण किया गया। विशिष्ट अतिथि वसंत शर्मा एवं सुवीर श्रीवास्तव रहे, जबकि वरिष्ठ साहित्यकार दीनदयाल तिवारी, हीराधर बड़गैयाँ, निर्मला तिवारी और जयप्रकाश श्रीवास्तव की विशेष उपस्थिति रही। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. दुबे ने कहा कि साहित्य कालजयी होकर युगों तक मानवता का मार्ग प्रशस्त करता है। संयोजक विजय नेमा 'अनुज' ने संस्था की साहित्यिक गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तिका नई पीढ़ी में सृजनशीलता और साहित्यिक संस्कारों के विकास के लिए सतत कार्य कर रही है। कार्यक्रम में गाडरवारा के कवि विजय बेशर्म, विजय विश्वकर्मा एवं संतोष नेमा का सम्मान भी किया गया।

प्रभावशाली कविताओं का हुआ पाठ

कार्यक्रम के दूसरे चरण में आयोजित काव्य गोष्ठी में गीत, ग़ज़ल, दोहा, मुक्तक, बुंदेली और समकालीन कविताओं का प्रभावशाली पाठ हुआ, जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा। 'यह प्रश्न ज़रूरी था, उत्तर भी ज़रूरी है', 'आओ अब इंसान बनें हम' और 'जिनकी आंखों में ख़्वाब होते हैं' जैसी रचनाओं ने विशेष वाहवाही बटोरी। गोष्ठी में सुशील जैन, सिद्धेश्वरी सराफ 'शीलू', सोहन सलिल, ज्योति प्यासी, प्रिन्सी पाटकर, खुशी सेन, उर्मिला श्रीवास्तव, मनोज जैन, डॉ. अनिल कोरी, तरुणा खरे, अनुराधा गर्ग, यूनुस अदीब, विजय बेशर्म सहित अनेक साहित्यकारों ने काव्य-पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन विनीता पैगवार ने तथा आभार प्रदर्शन महिला प्रकोष्ठ सचिव रजनी कोठारी ने किया।

जनेकृविवि में हुई उन्नत खेती और पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा

नवभारत, जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में उन्नत खेती पर जानकारी देने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राज्य योजना परियोजना के तहत वारासिवनी तहसील के ग्राम दैतबर्रा में हुए इस कार्यक्रम में वानिकी विभाग के वैज्ञानिकों ने किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन और पर्यावरण संरक्षण की विस्तृत जानकारी दी।

यह कार्यक्रम कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा और वानिकी विभागाध्यक्ष डॉ. अजय खरे के मार्गदर्शन में हुआ। इसमें विश्वविद्यालय के वरिष्ठ वैज्ञानिकों डॉ. सोमनाथ सरवदे, डॉ. यशपाल सिंह, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, डॉ. शैलेंद्र भालावे, डॉ. ऋषिकेश ठाकुर एवं डॉ. एस. के. राय ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को वैज्ञानिक कृषि, वृक्ष जनित तिलहन और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण की नवीनतम तकनीकों से अवगत कराना था। इस प्रशिक्षण में महुआ, नीम, कुसुम तथा करंज जैसे पौधों के व्यावसायिक महत्त्व, उन्नत उत्पादन तकनीकों, बीज संग्रहण और उनसे तेल व जैविक खाद (खली) प्राप्त करने के तरीके बताए गए। 'खेत बचाओ' व 'वर्मी कम्पोस्ट' अभियान के तहत हरी खाद के उपयोग, मृदा उर्वरता, फसल उत्पादकता और केंचुआ खाद निर्माण के लाभों पर चर्चा हुई। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने और अतिरिक्त आय के लिए खेतों की मेड़ों पर तिलहनी पौधे रोपने पर जोर दिया गया। वैज्ञानिकों की देख-रेख में पौधों के वैज्ञानिक रोपण और सुरक्षा पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में सम्मिलित सभी 30 किसानों ने आधुनिक तकनीकों को खेतों में अपनाने का संकल्प लिया। इसे सफल बनाने में डॉ. अनिल कुमार कोरी एवं आकाश शुक्ला का विशेष सहयोग रहा।

जीआरपी मदनमहल ने छात्रावास में चलाया नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

नवभारत, जबलपुर। मध्यप्रदेश पुलिस के 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' जनजागरूकता अभियान के तहत जीआरपी चौकी मदनमहल ने सोमवार को वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास, राइट टाउन में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान छात्रावास की छात्राओं, इंचार्ज एवं स्टाफ को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया गया। साथ ही अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए जागरूकता संबंधी पर्चे-पंपलेट वितरित किए गए तथा पुलिस हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं से अपील की गई कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। इस अवसर पर लगभग 20 से 25 छात्राएं एवं छात्रावास स्टाफ मौजूद रहे। अभियान में जीआरपी चौकी मदनमहल प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक जगन्नाथ सिंह धुर्वे, प्रधान आरक्षक अनुराग तिवारी, हरस्वरूप शर्मा, मनीष शर्मा, विमलेश ठाकुर तथा प्रधान आरक्षक शकुंतला तेकाम ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

घोड़ा अस्पताल वाले बाबा का 207वां चार दिवसीय उर्स शरीफ आज से

नवभारत,जबलपुर। हजरत सैय्यद अली हसन शाह अशरफी 'घोड़ा अस्पताल वाले बाबा' का 207वां चार दिवसीय उर्स शरीफ आज से अकीदत व एहतराम के साथ शुरू हो गया। उर्स शरीफ का आगाज़ आज मंगलवार को बाद नमाज़-ए-असर शाम 5 बजे परचम कुशाई की रस्म के साथ होगा। परचम कुशाई की रस्म पीर-ए-तरीकत हजरत सूफी मोहसिन मियां कादरी चिश्ती अबुलउलाई की सरपरस्ती में अदा की जाएगी। इस अवसर पर मुल्क व प्रदेश में अमन, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआ की जाएगी।

उर्स शरीफ के आयोजकों ने बताया कि चार दिनों तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें बड़ी संख्या में अकीदतमंदों के शामिल होने की उम्मीद है। उर्स शरीफ में सैय्यद आजाद अली, मुईन खान, खादिम-ए-आस्ताना अब्दुल रशीद, सूफी रज़ा कादरी चिश्ती, सलीम खान, सूफी जावेद चिश्ती, पत्रकार मोहम्मद शरीफ, सूफी मुशाहिद कादरी, सूफी बिलाल कादरी, सूफी उवेद मोहसिनी, सूफी आदिल आदि ने तमाम अकीदतमंदों से उर्स शरीफ में शिरकत कर फ़ैज़ हासिल करने की अपील की है।

जैन संत के चातुर्मास आगमन पर शहर में निकाली गई शोभायात्रा

नवभारत, जबलपुर। साधना को समर्पित चातुर्मास समारोह के लिए संतों का शहर में आगमन शुरू हो गया है। इसी सिलसिले में सोमवार को सुबह श्वेतांबर संत ओजस्वी प्रशमरति विजय के आगमन पर जैन समाज द्वारा एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस चतुर्मास जुलूस में श्रद्धालुओं ने भक्ति और आस्था के साथ फूल बरसाए। बैंड और धमाल के साथ महाराज की अगवानी की गई। पूरे मार्ग में चौक पूर कर लोगों ने अपनी श्रद्धा प्रकट की और महाराज का आशीर्वाद लिया। शीतलनाथ जैन श्वेतांबर सराफा बाजार के कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित इस शोभायात्रा में समाज के प्रबुद्ध जन शामिल हुए, जो महाराज को श्रद्धापूर्वक चातुर्मास स्थल तक लेकर गए।

दिगंबर समाज में भी उत्साह की लहर

श्वेतांबर समाज की तरह ही दिगंबर समाज में भी इस धार्मिक उत्सव को लेकर गहरा उत्साह है। इस बार आर्यिका गुरुमति माता और आर्यिका दृढ़मति माता का ससंघ वर्षायोग यानी चातुर्मास भी शहर में हो रहा है। पार्श्वनाथ दिगंबर जैन स्वर्ण मंदिर लार्डगंज में इस आयोजन की व्यापक तैयारियां चल रही हैं। जैन पंचायत सभा, जैन नवयुवक सभा, जैन महिला परिषद और मुनिसंघ सेवा समिति के कार्यकर्ता व्यवस्थाओं को संभालने में जुटे हैं। जैन श्रावकों ने बताया कि वे इस बार मुनिराज सुधासागर महाराज का चातुर्मास जबलपुर में कराना चाहते थे। समाज इस प्रयास को लेकर इतना गंभीर था कि चातुर्मास निवेदन के लिए एक पूरी ट्रेन बुक की गई थी, जो कि किसी मुनिराज के आमंत्रण के लिए संभवत: पहला ऐसा उदाहरण है। हालांकि, अपरिहार्य कारणों से यह चातुर्मास जबलपुर में नहीं हो सका। इसके बाद समय सागर महाराज के चातुर्मास के लिए भी प्रयास किए गए, लेकिन वह भी संभव नहीं हुआ। अब साधक उनके वर्तमान चातुर्मास स्थल पर जाकर ही दर्शन करेंगे।

प्रशिक्षण

एमपीपीजीसीएल के अभियंताओं को दिया गया विश्वस्तरीय ऑरेकल प्राइमावेरा पी-6 सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण

नयी तकनीकों से मानव संसाधन को सशक्त बनाना सर्वोच्च प्राथमिकता : कश्यप

नवभारत, जबलपुर। नवीनतम तकनीकों से मानव संसाधन को सशक्त बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसका उद्देश्य बिजली उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ कर्मचारियों को आधुनिक कार्यप्रणालियों में दक्ष करना है। ये बातें मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) दीपक कश्यप ने कहीं। मौका था अभियंताओं के लिए आयोजित विश्वस्तरीय ऑरेकल प्राइमावेरा पी-6 सॉफ्टवेयर के दो सप्ताह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का। कंपनी के मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सिविल इंजीनियरिंग एवं परियोजना उत्पादन विभागों के 20 चयनित अभियंताओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बड़े एवं जटिल विद्युत परियोजनाओं की योजना तैयार करने, संसाधनों के प्रभावी उपयोग, लागत नियंत्रण, समय प्रबंधन तथा परियोजनाओं की सतत निगरानी जैसी आधुनिक कार्यप्रणालियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य आधुनिक परियोजना प्रबंधन तकनीकों से अभियंताओं को दक्ष बनाकर कंपनी की कार्यकुशलता और परियोजना निष्पादन क्षमता को और मजबूत करना रहा।

प्राइमावेरा पी-6 परियोजनाओं के लिए सबसे भरोसेमंद

ऑरेकल प्राइमावेरा पी-6 विश्वभर में निर्माण, ऊर्जा, विनिर्माण तथा अवसंरचना परियोजनाओं के प्रबंधन के लिए सबसे भरोसेमंद सॉफ्टवेयरों में माना जाता है। यह परियोजनाओं की प्राथमिकता तय करने, जोखिम प्रबंधन, संसाधनों के अनुकूल उपयोग, डैशबोर्ड आधारित निगरानी तथा रियल-टाइम प्रगति विश्लेषण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराता है, जिससे परियोजनाओं का प्रभावी और समयबद्ध संचालन संभव हो पाता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को प्रोजेक्ट शेड्यूलिंग, प्रोजेक्ट कॉस्टिंग, रिसोर्स प्लानिंग, क्रिटिकल पाथ एनालिसिस, प्रोजेक्ट प्रोग्रेस ट्रैकिंग सहित सॉफ्टवेयर की विभिन्न उन्नत विशेषताओं से परिचित कराया। प्रशिक्षण के दौरान वास्तविक परियोजनाओं से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से सॉफ्टवेयर के उपयोग की बारीकियां भी समझाई गईं।

भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के अनुरूप तैयारी

इस दौरान अतिरिक्त मुख्य अभियंता प्रशिक्षण एवं विकास डॉ. अशोक कुमार तिवारी ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा केवल वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि भविष्य की तकनीकी चुनौतियों और आधुनिक परियोजना प्रबंधन की जरूरतों के अनुरूप तैयार की जा रही है। डॉ. तिवारी विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कंपनी की परियोजनाओं की गुणवत्ता, दक्षता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को नई गति प्रदान करेंगे। इसके साथ ही, जिन परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है, उन्हें तय समय सीमा के भीतर सफलतापूर्वक पूरा करने में यह तकनीक बेहद मददगार साबित होगी।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठक संपन्न

नवभारत,जबलपुर। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कार्यालय क्रमांक-02 की 18वीं छमाही समीक्षा बैठक सोमवार को पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में समिति अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में वर्ष 2025 के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं प्रसार में उत्कृष्ट कार्य करने वाले केंद्रीय कार्यालयों, निगमों एवं उपक्रमों को सम्मानित किया गया। इस दौरान तीन कार्यालयों को राजभाषा शील्ड, तीन को राजभाषा ट्रॉफी तथा छह सदस्य कार्यालयों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। महाप्रबंधक ने कहा कि राजभाषा हिंदी प्रशासनिक कार्यों को सरल, सहज और जनसुलभ बनाने का प्रभावी माध्यम है तथा सभी कार्यालयों को दैनिक कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को सुनिश्चित करना चाहिए।

हिंदी के उपयोग पर दिया ज़ोर

बैठक में महाप्रबंधक ने वर्ष 2026-27 के राजभाषा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रभावी कदम उठाने और ई-मेल, पोर्टल सहित डिजिटल माध्यमों में हिंदी के व्यापक उपयोग पर जोर दिया। मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) एम.एस. हाशमी ने कहा कि सदस्य कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग में लगातार प्रगति हो रही है और सरकारी कामकाज में सरल एवं सामान्य हिंदी के उपयोग से प्रशासन अधिक पारदर्शी और जनसुलभ बनेगा। बैठक में विभिन्न केंद्रीय कार्यालयों के प्रशासनिक एवं विभाग प्रमुख, प्रतिनिधि अधिकारी, कर्मचारी तथा उप मुख्य राजभाषा अधिकारी विवेक कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।